टोंक, राजस्थान

उन्नत आईसीटी और एआई समाधानों के माध्यम से डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व

संपादित : **विनोद कुमार गर्ग**

एनआईसी टोंक ने एक मज़बूत आईसीटी बुनियादी ढाँचा तैयार किया है, जिससे विभागों को तकनीक-संचालित समाधान और ई-गवर्नेंस पहलों से सक्षम बनाया गया है, जिनसे सेवा वितरण, पारदर्शिता और नागरिक पहुँच में सुधार हुआ है। एक प्रमुख उपलब्धि है पढाई विथ एआई, जो एक एआई-संचालित वेब प्लेटफ़ॉर्म है जो 353 स्कूलों में 10वीं कक्षा के गणित शिक्षण का समर्थन करता है।

साइबर सुरक्षा, डिजिटल प्रमाणीकरण और डेटा-संचालित योजना में विशेषज्ञता के साथ, एनआईसी टोंक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित शासन की दिशा में ज़िले के परिवर्तन का नेतृत्व कर रहा है।।

जिले में आईसीटी पहलें

पढ़ाई विद एआई

पढ़ाई विद एआई एक एआई-आधारित व्यक्तिगतट्यूशन पहल है जिसकी संकल्पना और क्रियान्वयन जिला प्रशासन, टोंक द्वारा,एनआईसी टोंक के सहयोग से किया गया है। लक्ष्य 2025 अभियान के तहत शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य सरकारी स्कूलों में कक्षा 10 की आरबीएसई बोर्ड परीक्षा के परिणामों में सुधार करना है।

मुख्य विशेषताएँ :

- टोंक जिले के सभी 353 सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का कवरेज
- कक्षा 10 के 11,977 छात्रों को शामिल किया गया
- द्विभाषी सहायता (हिंदी/अंग्रेजी) के साथ एआई-संचालित व्यक्तिगत ट्यूशन
- हिंदी माध्यम के स्कूलों पर विशेष ध्यान, जो सबसे बड़ा लाभार्थी समूह है
- स्कूल, ब्लॉक और जिला स्तर पर व्यापक विश्लेषण डैशबोर्ड
- 6-सप्ताह के अभियान के रूप में संचालित (जनवरी-फरवरी 2025)

सुशील कुमार अग्रवाल
वैज्ञानिक - सी व डीआईओ
agrawal.sushil@nic.in

एनआईसी टोंक ने पढ़ाईविदएआई, आई.आर.ए.डी आधारित एंबुलेंस पुनर्स्थापन, बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली, ईएमएस और डी.आई. एल.आर.एम.पी जैसी नवाचारपूर्ण आईसीटी पहलों के माध्यम से टोंक जिले के डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व किया है। इन पहलों ने पारदर्शिता, दक्षता और नागरिक सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार किया है। नवाचार के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित एनआईसी टोंक, डेटा-संचालित, समावेशी और नागरिक-केंद्रित शासन के माध्यम से डिजिटल इंडिया की दृष्टि को आगे बढ़ा रहा है।

- कक्षा 10 के गणित के परिणामों में अभूतपूर्व सुधार हुआ - राज्य के औसत और पिछले जिले के प्रदर्शन दोनों को पार करते हुए।
- इस पहल को व्यापक मान्यता मिली है, जिसमें नीति आयोग के अधिकारियों की सराहना भी शामिल है और प्रतिष्ठित कार्यक्रमों में राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता भी मिली है जैसे:
- राष्ट्रीय संगोष्ठी, विज्ञान भवन, नई दिल्ली (अगस्त 2025)
- विकसित भारत प्रदर्शन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली (सितंबर 2025) - माननीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, माननीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और वरिष्ठ सरकारी नेतृत्व द्वारा सराहना की गई।

बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (बीएएस)

एनआईसी टोंक राजस्थान में बीएएस के लिए राज्य नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करता है और सरकारी कार्यालयों में इसके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करता है। इसकी ज़िम्मेदारियाँ इस प्रकार हैं:

- हितधारक समन्वय और निगरानी
- बायोमेट्रिक अपडेट की सुविधा प्रदान करना
- उपस्थिति रिपोर्ट तैयार करना और उसका विश्लेषण करना
- डिवाइस की स्थापना और कॉन्फ़िगरेशन की देखरेख करना

आई.आर.ए.डी

टोंक भारत का पहला जिला बन गया है जिसने एकीकृत सड़क दुर्घटना डेटाबेस (आई.आर.ए.डी) का उपयोग करके दुर्घटनाग्रस्त ब्लैक स्पॉट के पास 108 एम्बुलेंसों को पुनः स्थापित किया है।

- आई.आर.ए.डी विश्लेषण के माध्यम से चार उच्च-जोखिम वाले स्थलों की पहचान की गई

पढ़ाई विथ एआई ने टोंक के स्कूलों में एआई-संचालित उपकरणों के माध्यम से गणित सीखने में क्रांति ला दी है। यह अभिनव प्रयास शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, शिक्षकों को सशक्त बनाने और छात्रों के परिणामों को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मैं इस अभिनव प्रयास के लिए एनआईसी टोंक और उनकी समर्पित टीम की सराहना करता हूँ और कामना करती हूँ कि वे शिक्षा उत्कृष्टता और डिजिटल नवाचार को आगे बढ़ाने में निरंतर सफलता प्राप्त करते रहें।

श्रीमती कल्पना अग्रवाल, आईएएस
जिला कलेक्टर, टोंक

- एम्बुलेंस प्रतिक्रिया समय घटाकर 3-5 मिनट कर दिया गया (पहले 15-20 मिनट लगते थे)
- अतिरिक्त वाहनों के बिना, डेटा-आधारित योजना के माध्यम से दक्षता प्रदर्शित करते हुए, यह उपलब्धि हासिल की गई
- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एम.ओ.आर.टी.एच) और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त

चुनाव प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस)

एनआईसी टोंक पूरे जिले में चुनाव कार्यों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चुनाव प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) के माध्यम से, यह कार्मिकों की तैनाती, मतदान दिवस समन्वय, मतगणना और परिणामों के प्रसार की देखरेख करता है। इसके अलावा, एनआईसी टोंक, चुनाव आयोग के अनुप्रयोगों को प्रभावी ढंग से सुगम और एकीकृत करके, चुनाव पूर्व और चुनाव पश्चात की प्रक्रियाओं को निर्बाध सुनिश्चित करता है, जिससे चुनावी प्रक्रिया में दक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ती है।

डीआईएलआरएमपी

डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डी.आई.एल.आर.एम.पी) के अंतर्गत, जिले की सभी नौ तहसीलों के भूमि अभिलेखों को पूरी तरह से डिजिटल कर दिया गया है। नागरिक अब तहसील कार्यालयों, सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) और ई-मित्र केंद्रों के माध्यम से डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित अधिकार अभिलेखों तक आसानी से पहुँच सकते हैं, जिससे पारदर्शिता, दक्षता और सेवा वितरण में आसानी सुनिश्चित होती है।

अति विशिष्ट व्यक्तियों के दौरों के दौरान आईसीटी सहायता

एनआईसी टोंक ने माननीय प्रधानमंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के दौरों के दौरान सफलतापूर्वक आईसीटी सहायता प्रदान की है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है:

- सुरक्षित संचार नेटवर्क
- रीयल-टाइम निगरानी प्रणाली
- बेहतर कनेक्टिविटी वाले आईसीटी-सक्षम सुरक्षित घर
- प्रोटोकॉल निष्पादन हेतु निर्बाध समन्वय

एनआईसी टोंक ने कई अन्य प्रमुख ई-गवर्नेंस परियोजनाओं के कार्यान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो सेवा वितरण को सुदृढ़ बनाती हैं और पारदर्शिता में सुधार लाती हैं। इनमें एकीकृत वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (आई.एफ.एम.एस) और गर्भावस्था एवं शिशु ट्रैकिंग प्रणाली (पीसीटीएस) शामिल हैं। ई-परिवहन (वाहन और सारथी), शस्त्र लाइसेंस जारी करने की प्रणाली और नागरिक पंजीकरण प्रणाली (पहचान) जैसी पहलों के माध्यम से नागरिक

▲ चित्र 5.2 :पढ़ाई विद एआई कक्षा

सेवाओं को और अधिक सुव्यवस्थित किया गया है। शैक्षिक और संस्थागत सुधारों को संस्था आधार, शाला दर्पण, निजी स्कूल पोर्टल और ज्ञान संकल्प द्वारा समर्थित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, एनआईसी टोंक ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), ई-पंजीकरण और ई-ग्राम के माध्यम से कल्याणकारी और प्रशासनिक सेवाओं को बढ़ाया है, जिससे प्रमुख क्षेत्रों में डिजिटल पहुँच और दक्षता सुनिश्चित हुई है।

पुरस्कार और सम्मान

- **2025:** जिला प्रशासन द्वारा जिला सूचना विज्ञान अधिकारी (डीआईओ) को "पढ़ाईविदएआई" के विकास और कार्यान्वयन के लिए सम्मानित किया गया।
- **2025:** माननीय उपमुख्यमंत्री श्री प्रेम चंद बैरवा द्वारा आईसीटी नवाचार में उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया।
- **2020, 2021, 2024:** उत्कृष्ट आईटी पहलों के लिए जिला स्तरीय पुरस्कार

अग्रिम दिशा

अपनी प्रगति को आगे बढ़ाते हुए, एनआईसी टोंक आईसीटी-सक्षम सेवाओं के बारे में जागरूकता और अपनाने को बढ़ावा देना जारी रखेगा, और डिजिटल इंडिया विज़न के साथ अपने संरेखण को और मज़बूत करेगा। आगे का ध्यान सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने, नागरिकों को सुलभ डिजिटल समाधानों से सशक्त बनाने और वैश्विक डिजिटल लीडर बनने की दिशा में भारत की यात्रा में योगदान देने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने पर है।

एनआईसी टोंक ने जिला प्रशासन द्वारा 'पढ़ाई विद एआई' पहल के सफल विकास और कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसने जिले भर के छात्रों के एआई-संचालित उपकरणों के माध्यम से गणित से जुड़ने के तरीके को बदल दिया है। एक मजबूत डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित करने से लेकर सभी स्कूलों में सुचारू तैनाती सुनिश्चित करने तक, एनआईसी की तकनीकी विशेषज्ञता और समर्पण सराहनीय रहा है। मैं अपने शिक्षा-केंद्रित डिजिटल नवाचार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए डीआईओ एनआईसी टोंक के प्रयासों की तहे दिल से सराहना करती हूँ और कामना करती हूँ कि वे जिले भर में प्रभावशाली ई-गवर्नेंस और आईसीटी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में निरंतर सफलता प्राप्त करें।

डॉ. सौम्या झा, आईएएस
निदेशक, चिकित्सा (आईईसी), राजस्थान और
पूर्व जिला कलेक्टर, टोंक

▼ चित्र 5.1 : नीति आयोग की प्रस्तुति में डॉ. सौम्या झा (आईएएस), श्रीमती कल्पना अग्रवाल (आईएएस) और एनआईसी के अधिकारी

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

जिला सूचना विज्ञान अधिकारी
एनआईसी टोंक जिला केंद्र
कलेक्ट्रेट परिसर, बहिर कॉलोनी
टोंक, राजस्थान - 304001
ईमेल: dio-tnk@nic.in, फ़ोन: 01432-244344